

12/10/11

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

324

ASIA EXONIVES

संस्कृत-सूत्र-संग्रह-प्रथम-स्कंध-प्रथम-अध्याय-प्रथम-श्लोकः

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॥ यथामना नायकः ॥ सुखं त्रयं य
वता ॥ मया कर्मणां रक्षा वती ॥ यि तादृशं जयि ॥ एतन्मां धीना ॥ क
उदात्तकायानि ॥ यातननिर्द्धरानि ॥ मर्यादासूत्रदानवसंहारन ॥ उ
द्धरानि ॥ वा निवद ॥ वीररुग्मास्तु ॥ कथात्रहयनाम ॥ नवद्याक
नमः ॥ साथवान् ॥ सुकाविमनकुरु ॥ यदुहतिथिः यात्ररुनामिः सु
र्यमस्तुल ॥ संध्या नयानगायत्री ॥ षट्कर्म ॥ रुग्णरुग्णनाया
न ॥ नवद्याक ॥ सुमिथय ॥ दानवसंहारन ॥ हतिहतिः श्रवः

तात्र ॥ एतन्मया नायकः वादधर्म ॥ पापकृत्यस्य दवगतर्हमम
॥ १ ॥ द्वितीयनायायकः कर्मत्रयं त्रयं वात्र ॥ कर्मकमागः ली
लादतीः यि तादादिं वज्रवि ॥ गुत्रुसुहृजानंद ॥ कथमानसुना
वत्रयानि ॥ यातननिर्द्धरानि ॥ मर्यादासूत्र ॥ दानवसंहारनः उ
द्धरानि ॥ वा निवद ॥ वीररुग्मास्तु ॥ कथात्रहयनामः नवद्या
कनमः ॥ साथवान् ॥ सुकाविमनकुरु ॥ यदुहतिथिः वात्ररुना
मिः सूर्यमस्तुल ॥ संध्या नयानगायत्रीः षट्कर्मः रुग्णरुग्णना

[illegible]

मः शग शग ना नायग नव व ८ तान ॥ अविथायः दान व सं हा नः रुनि
हनि ॥ अवनन ॥ अवनन व न नाय वा द व न ॥ पाय अय ॥ अवन वग
न सं म म ॥ ३ ॥ चतुर्थ ना नाय ग ॥ न न सिं ह नू यः अवन तानः न न सिं ह
क मा ता च डो व ॥ यि ता ह नि रं व अवि ॥ गुनः अमि य त न अवि
क न मू नि ता य नि ॥ या न न नि द न निः हि न द्य क सिं व दान व सं
हान ॥ उध न रं तिः वा नि य द रं ड न सा र म मः अथ न ह य न गः न व
या क न गः सा थ दानः सु फा दि ग न क यः पंड रु ति थिः वाल ह ला मिः सु

सूर्यमण्डलः संध्यातर्पणमयणी ॥ षट्कर्मः शृंगशृंगना नाय वश्वनात्र
अधिपति ॥ दानवसंहार ॥ रुत्रिरुत्रि ॥ श्वनात्र ॥ गुनद्रुचेतना
यदाधधर्म ॥ पापकृत्य ॥ ह्यदेवगतर्पणमर्म्म ॥ ४ ॥ यं च मना नाय व
यामनद्रुयः श्वनात्रः वासदेवके समाताः रुद्रिति ॥ पिता क ॥ श्वय
सु ॥ पि ॥ गुन ॥ श्वनात्र ॥ कुरुवनथ लयुत्रिः पातननिर्द्वन्निः व
लिदानवसंहार ॥ उध्वत्रनि ॥ कात्रि वद श्वनात्र ॥ श्वनात्र ॥ श्वनात्र ॥
न ॥ न ॥ श्वनात्र ॥ साथवात्र ॥ सफाविगन ॥ कुरु ॥ यदरुद्रि

पि ॥ वासुदेवनामि ॥ गु ॥ सूर्यमण्डल ॥ संध्यातर्पणमयणी ॥ षट्
कर्म ॥ शृंगशृंगना नाय वश्वनात्र ॥ अधिपतिः दानवसंहार
त्र ॥ रुत्रिरुत्रि ॥ श्वनात्र ॥ गुनद्रुचेतना नाय वादधधर्म ॥ पापकृत्य
ह्यदेवगतर्पणमर्म्म ॥ ५ ॥ ५ ॥ यं च मना नाय व ॥ यं गुनामनद्रुयः
वनात्र ॥ यं गुनामकमाता ॥ त्रनद्रुकाः पिताः ॥ त्रनद्रुकाः
पि ॥ गुन ॥ श्वनात्र ॥ कुरुवनथ लयुत्रि ॥ पातननिर्द्वन्नि
नि ॥ सहस्रसेवाकुरुदानवसंहार ॥ उध्वत्रनि ॥ कात्रि व

॥ रात्रिदशमस्तु ॥ अथ नरुयुना ॥ तव व्याकृतं ॥ साधवा
न ॥ सप्तकावि सगं दशकं ॥ पद ॥ इति धि ॥ लहनामि ॥ सूर्य
मधुल ॥ संध्या न युन गमयती ॥ षट्कर्म ॥ शगं दशना नायय
अवतान ॥ अविथय ॥ दानवसं हान ॥ इति निरुति ॥ अ
वतान ॥ अ नरुयुना नाय वादधर्म ॥ पापकृत्य स्य देवसुत
संमर्मा ॥ ग ॥ सफम नायाय ॥ नाम चंद अवतान ॥ नाम चंद
कमाता ॥ कोमल्या ॥ पिता दशनाथ ॥ गुनवर्षि वृजुषिः ॥

॥ अथ अयुनि ॥ पातन निर्दशनिक ॥ दशगि तदानवसुहा
न ॥ उधन नि ॥ रात्रि वद ॥ रात्रि दशमस्तु ॥ अथ नरुयुना
नव व्याकृतं ॥ साधवा न ॥ सप्तकावि सगं दशकं ॥ पद इति धि ॥
लहनामि ॥ सूर्य मधुल ॥ संध्या न युन गमयती ॥ षट्कर्म ॥ शगं
दशना नायय अवतान ॥ अविथय ॥ दानवसं हान ॥ इति निरुति
अवतान ॥ अ नरुयुना नाय वादधर्म ॥ पापकृत्य स्य देवसुत संमः
मर्मा ॥ ग ॥ अथ मे नायायन ॥ दशगुन्य अवतान ॥ दशगु कमाता

दङ्गा की॥ पिता व भुद व॥ गुत्र द्वा स्यं षष्ठि॥ अथ मथ्यता य त्रि
याग न निर्देन निः कं सा सून दान व संहातः उर्वर नि॥ वी त्रि
वत द ची त दग्भ सु॥ अथ न ह वृता ह॥ न व व्या क ह॥ साथ
वान्॥ सफा वि स ग न क र॥ य उ ह ति थि॥ दान ह ना मिः सु द्य
सु द्यु ल॥ सध्या न व्य न ग य जी॥ वट क र्मः श ग श ग ना ना य नः
न व ता न त्रि वि थ य॥ दान व सं हात॥ ह ति ह नी न व ता न॥ भु
न द्वा र त ना यः वा द य र्मः पा य क यः स्य द व स न र्म म म॥ ८॥ न व

भ ना ना य न॥ वी ध नू य न व ता नः वी ध क सा ताः क र्म
व ती॥ पिता ग र्ग षष्ठि॥ गुत्र अ का ग वि व षष्ठि॥ अथ य
नू यो क म य त्रि॥ याग न निर्देन निः॥ ग या सून दान व सं
हात॥ उथ र्म नि॥ चा त्रि व दः वी त्र दग्भ सुः अथ न ह य ता
होः न व व्या क हः साथ वानः सफा वि स ग न क र॥ य उ ह ति थि
वान् रु ना मि॥ सूर्य सु द्यु ल॥ सध्या न व्य न ग य जीः वट क र्म
श ग श ग ना ना य ह न व ता न त्रि वि थ य॥ दान व सं हात॥ हः

पिरुती अ व तात्र॥ गु न गु न क र त नाय॥ वा द ध र्म ॥ वा य क
य॥ ह्य द व स त र्द म म ॥ ६ ॥ द म म ना ना य न र्द ॥ क री ॥ क
लं कि नू य अ व तात्र॥ क र कि क मा ता ॥ मा त गीः पि ताः
ह र्म य र्म यि ॥ गु न स ह र स रू प ॥ क र स ह रू प नि ॥ पा त
न ॥ ग्य त य ध ना स व र्क य ता र्द म क ॥ म य द व र क र
अ र्थ न हा थ ॥ र्म म व र्ता ती स हा थ ॥ सु द न न व हा थ र्म
मि र्म ना क रीः मा य मा य क रू य क ॥ न का द मि ॥ सा म वा

न ॥ अ व ता न र्म ॥ नि र्द न कि ॥ क र्मि ग म दान व स हा ना ॥ उ ध
न ति ॥ वा नि र्म द ॥ र्म नू द म म ॥ अ थ न ह रू प ना र्म ॥ न व वा
क र्म ॥ सा थ वा न ॥ स का वि स र्म क र ॥ प र ह ति थि ॥ वा न र्म
मि ॥ सूर्य म धु ल ॥ स ध म न य न म य र्म ॥ ष ट क र्म र्म र्म
ग ना ना य र्म ॥ अ व तात्र ॥ त्रि वि थ म य ॥ दान य र्म र्म ॥ ह ति
रु नि अ व तात्र ॥ गु न र्म क र त नाय ॥ वा द ध र्म ॥ वा य क
य ॥ ह्य द व स त र्द म म ॥ १० ॥ सा म ना म न ॥ सु ना यान ॥

ॐ ह्रथ्वा॥ वृष ह्रथ्वा॥ पापनाल दि य य॥ ॐ ति म यः
 च ज्ञाननाथ॥ दम श्रुतात्रेय ० ता॥ सुनवेता॥ श्रुति
 सिद्धिं रूलता मम सिद्धि॥ गुनत्रयया इकोनमस्तुते॥
 ॐ ति श्रीगं कता वा य विने चि ते॥ नात्राय ददगे श्रव
 ता य क्षा य समा यः॥ ॐ श्रुते॥ ससस्तु॥ नमो श्री गणेशाय

यथा त्वः वनसमुन्नः गंगमतिर्नः ^{या} भा श्रुतं नः

यथा वनसमुन्नः गंगमनंथा गतिप्रताः मया द
 व कृतं पापं नत्र प्रा फ सून पूनः॥४॥

वलकि पुन शयाचा मंगल अथ का विद्या कस्तुति
 न कील पा प्य रुग या के मने

॥३॥ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ मालगानां विद्युहस्तानां
पादवानां तिला मनि को वामांत हातं वंद ह ह दूदियुं ॥
जासी न वका हि रडु ह म नि श्व तं त थ ह यो ल विजो सी न व व क
मूलक म ल आ ग त मा ल थ थ त जा सी न व ख द म द त क ल या गु न म
ल ड म क ति ॥ ॥३॥ नमः श्रीगणेशाय नमः ॥ गण गण ह न ग व य त
नक्षान सि व सि त ल व ल आ त्रि मा न ना गि दि ना त्रि सृ गं ग मे व ह हि र ड
श्व ना थं के ला वा सी सि व ध द शि व ध द सि व ध द का सि ॥ १ ॥ त क

दय व नं ग र ति त रू त क क त न वि ता डं स ता त र त न त त्रे व ग ग
प ल सि हि त्रि गं र ड श्व ना थं के ला स वा सि ड य ना ल ग हि त द र त क
हि ॥ सि व ध द ३ ॥ का सि ॥ २ ॥ वृ क्ष ते ज त र नि कि पू रू प ल न नि ह त्रि वि
श्व य त नि वू रू रू रू नि ह त्रि वि श्व य रू ना मा हा मू हि क र नि ह सा त
ज न नि ति गू र ध र नि र ड शि श्व ना थं के ल म वा सि ड य ना र त ल
व हि ला त र त क सि व ध द ३ का सि ॥ ३ ॥

[illegible]

न च न नानि मनि नूतन ह वन विनन वि हिं न न मिधु ॥ ४ ॥ ऊ
 ल दप न ल व ल द न वि नि नू क च न न ति स क सु ता तं पी न प शी ध
 न प नि स न म द न मि र्द य ह द य क पा त ॥ ५ ॥ म नि म य म क न म नो
 ह न कं धु ल म्प द न ग धु म्प द नः पी न व स न मू न द न म्प नि म
 न उ म्प न ग्धु प नि वे नि वे न ॥ ६ ॥ वि स द क द म्ब नि न म्प व नी मु
 र व ल म्प न ल म्प न सा हः वं धू जी व म्प गा ध न प ल व काल
 न द ल म्प न ध व र्ण ॥ ७ ॥ श्री ऊ य द व ह नि न मि ति धुं ध न म्प ह न

मधुप्रियः हविर्वर मस्मन्नं प्रति संपत्तिं न्यवताम नृपं ॥ ५ ॥
नाग ॥ ॥ इत्ययमाहा माया जात जननि २ आदि स्त्री नारी नृ
नाग ॥ ॥ इत्ययमाहा माया त्रिपुत्रसंघात्रि २ आदि स्त्री नारी
नृपुत्रि युसुगति श्रुति अनुये चने सनृपत नानि सनृ
नी इत्ययमाहा माया ॥ ५ ॥ दनसनदात को द्वि इत्ययमि पान को
द्वि इत्ययमि पानः वा न वा नानि ॥ ३ ॥ इत्ययमाहा माया त्रि
दनसंघात्री ॥ ५ ॥ इत्ययमाहा ॥ ३ ॥ इत्ययमाहा ॥ ३ ॥ इत्ययमाहा ॥ ३ ॥
वागवादि दमानः सनृगन श्रुति कल्यान का न त्रि चंद ॥ ३ ॥ इत्ययमाहा ॥ ३ ॥

नाग ॥ ॥ यादव्य त्रि सं दन द्वि यात्री या प्रा सा ॥ ३ ॥ द्वि के र त्रि इ वि
य या प्रा सा ॥ ॥ शिवः इत्ययमाहा सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन
रुगति री अननाम का ५ सा ॥ ५ ॥ वा न र व र द्र मा यु साः वा य या
५ ५ त्रि नृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन
सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन
वनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन
५ ५ त्रि नृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन
शिवः त्रि नृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन सनृगन

॥ रमादे श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

आशा कविदाथ

324

ASMA AP. 1962

१५ वत् ५ ३० फा ३० न ३० ध ३०

[illegible]

वपं नूनं ॥३॥ मय नम धीर्न न ऊ मंजी गं निपू मि व द सि भु ला
तं च त स सि वं ऊ स वि मि व पू ऊ भी त य नी त नि धा तं ॥४॥ उ स
सि म रा री रू प द द हा न य न य व त त त व सा के न ति वि मी
नं त दि दि व पी न ना ऊ सि भु कू त वि पा के य ॥ वि ग ति त व स
नं प रि हि त र स नं य त य ऊ य न म पि धा नं कि स त य स य

नं प र्क ऊ न य नं नि वि मि व ह र्घ मि धा नं ॥५॥ ह रि त री ना
नी न ऊ नि ऊ दा नि मि य म पि या ति वि ना मः कू रू म म व र न
सं च न न नं य त य म धू रि प का मं ॥६॥ श्री ऊ य द वं कू त ह नी श
व ह न ति प न म न म नी यं य म दि त द द यं ह रि म मि स द यं न म त
भु कू त क म नी ॥७॥ सु दुं वा भू भू वं वा त य व द ष ना मि ॥

श्रीगणेशाय नमः

य न मा

ॐ नमो श्रीगणेशाय नमो श्रीगुरुवे नमः ॥ ॥ पूर्णं श्रीगणेशाय
सावित्रीः तस्मात्काव्यं पतिप्रदम् ॥ नानासाम्प्रदायं पश्यः राजानि
तिसमस्तथा ॥ १ ॥ त्रिभिर्भुवमिदं गम्यन्तः न प्राप्नुयन्ति त
स्मृता ॥ चर्मपदं आविर्जयः काय्या काय्यामुतामुता ॥ २ ॥ ॐ

तदहं संप्रवक्ष्यामिः न ताल्पहितकाम्ययाः ॥ धनं विहातमात्मनः
मार्तवहितकालिनी ॥ ३ ॥ मन्त्रस्य प्रवक्ष्यामिः वानवानतुः
तुषितं ॥ यनविहातमात्मनः सर्वरुचिर्हि जायते ॥ ४ ॥ म
खमिष्यापदं नः ददास्मीतु न लनन ॥ द्विषतासं पृथगान
ः यन्ति तापि वसिदति ॥ ५ ॥ कुलिहिसहस्रकूर्कः यन्ति तस्मिन् स
कथम् ॥ कुलिहिसहस्रमित्रः कूर्कः लनावसिदति ॥ ६ ॥

उन्मलानां उगंगनाः मद्यपानां चरं दन्तिनां ॥ श्री भगवत्कृष्ण
 विष्णुसक्तिगताय ॥ ॥ वरिष्ठसहविष्णुसंधानन
 कर्तुमिच्छति ॥ सदृशं गुह्यं रूपं पतितं प्रतिबुध्यते ॥ २ ॥
 धनधन्यप्रशंसा विद्यासंग्रहं यथाशास्त्रं यथावत् प्रवृ
 त्तं कलशसिद्धांतः ॥ २ ॥ न उदुसदृशीमाता न उदु
 सदृशीपिता यस्मात्प्रतीमहाधाराः संसाध्यादिदूस्तरं ॥ ॥
 नमो

नाग ॥ ॥ तारमप्रललनाभासनत्राश्रितं तज्ज्वाया
 नागचनसकादलकाकादिविषनकात्तलकासाया
 विद्यनस्यनायविलायविषलपायनं सुवविद्यनह
 लंदवकाश्चसिधविनायकः उद्रास्याडाउनसिनेसकसवा
 पायमगृकचिसाध्मतिवितावलनसगयागज्जति
 कं जिलावसपुयाडगगसकत्यमाहकं थर्थं जाकृष
 शननृगलसदानथिलक्षयमा ४ सवत २०९ मि चेतवदि

कवगघङ १ ले वग
 चङ्गं स ११ १ सिंग वग
 ठठे उरदा १ नाग
 तथ दथे न १ त्याः सिव वा
 प ह व ह म १ क
 य न स थ स १ ॥ वि सि
 य म ह य क १ ह यि

श्री ॐ ॐ
 ग नूथ

संवत् ११० की रा द ११

वाङ् थ १	तङ्गना ११
दिश रवा २	दिना २१
गम सा उ ३	गना ३१
शे रा द ४	शना ४
का ज उ ५	सो ना ५२
कु का ति द ६	का ना ६
थी स सि ७	थी ना ७
पा प उ ८	पा ना ८
म सा य ९	म ना ९
वि रा उ १०	वि ना १०
व च ११	व ना ११
त व १२	त ना १२

मन्त्रादियाचिकं पू भगदा ताग

को ॥ सययति

को ॥ नडा

को ॥ त्रिस्त

ता १ विस्त

ता १ विस्त

ता १ विस्त

ता १ सय

ता १ केवसि किं

ता १ को क्षोप

ता १ ना नुप

ता १ निविजति

ता १ वस्त्या गति

ता १ तात स्वा

ता १ नुक सुत

ता १ ०० म

ता १ मिथं

ता १ मयवय

ता १ कुत मय

ता १ मय

ता १ सुता

मेवात्रा

निस्त

कय

कययत्र

कयन

कयम

कयता

कयति

कयते

कयता

कयति

कयते

कयता

कयति

कयते

कयता

कयति

कयते

कयता

कयति

कयते

पुर्विक

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in a script, likely Devanagari, located at the top of the page.

Handwritten text in a script, likely Devanagari, located in the middle of the page.

Handwritten text in a script, likely Devanagari, located at the bottom of the page.